आत्मत्राण (रवीन्द्रनाथ ठाकुर)

1. विपदाओं से मुझे बचाओ यह प्रार्थना नहीं इसका आशय स्पष्ट कीजिये?
2. कविता एवं कवि का नाम लिखिए?
3. सहायक के न मिलने पर कवि क्या प्रार्थना करता है?
4. कवि का अंतिम अनुनय क्या है?
5. आत्मत्राण शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिये?
6. अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए आप प्रार्थना के अतिरिक्त और क्या-क्या प्रयास करते हैं?
7. नित शर होकर सुख के दिन में , तव मुख पहचानू छीन- छीन में' इसका भावार्थ क्या है?
8. क्या यह प्रार्थना गीत अन्य गीतों से भिन्न है .. यदि हाँ तो कैसे?
9. आत्म्त्राण कविता का सारांश लिखिए
10. इस कविता का प्रति पाद्य लिखिए